

# श्रद्धेय भगवती सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर संपन्न हुआ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

बीकेटी। बाबू भगवती सिंह फैंस क्लब, मां चंद्रिका देवी मेला विकास समिति कठवारा के द्वारा विकास पुरुष श्रद्धेय बाबू भगवती सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि को पूर्व संस्था पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन उनके द्वारा स्थापित चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय बक्शी का तालाब में किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष बलवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि श्रद्धेय बाबू भगवती सिंह का क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान रहा है बाबू भगवती सिंह समाजवादी विचारधारा के आधार स्तंभ थे उनके सरल एवं सौम्य व्यक्तित्व ने ही उन्हें जनमानस का लोकप्रिय नेता बनाया था, उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन में निजी स्वार्थ से हटकर सामाजिक कार्यों को महत्व दिया। बाबू जी एक अच्छे राजनीति के साथ एक अच्छे चिंतक व विचारक थे उनका त्याग पूर्ण जीवन आगे आने वाली पीढ़ी के लिए सदैव उदाहरण रहेगा। इस अवसर पर अयोध्या से अशोक टाटंमबनरी व नरेंद्र सिंह अकेला, प्रयागराज से आभा मधुर, पश्चिम बंगाल से पवन वांके, रायबरेली से मधुर श्रीवास्तव नरकंकाल, उत्तराखंड से जयंत शाह, लखनऊ से आशीष आनंद तथा संस्था त्रिपाठी

ने अपनी कविताओं के माध्यम से बाबू भगवती सिंह को याद किया। चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. सत्येंद्र कुमार

कुमार सिंह, बिदेश पाल यादव, हृदेश कुमार सिंह, शिव बहादुर सिंह चौहान, शिवकुमार सिंह, एस. एन. सिंह, अरुण कुमार सिंह, निदेशक



सिंह ने बताया कि उनके जीवन पर डीएम महाराज द्वारा बनाई गयी डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र यादव, सीतापुर विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, पूर्व चेयरमैन बखशी का तालाब अरुण कुमार सिंह गप्पू, महाविद्यालय के अध्यक्ष फिदा हुसैन अंसारी, प्रबंधक तेज प्रकाश सिंह, राजेंद्र सिंह, अशोक सिंह, ओम प्रकाश सिंह, संजेश

प्रो योगेश कुमार शर्मा, प्राचार्य गजेंद्र सिंह, प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया, समन्वयक अधिकारी धीरेंद्र प्रताप सिंह सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक कर्मचारी एवं क्षेत्र के सभी कवि प्रेमियों ने कविताएं सुनीं और बाबू जी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कवि सम्मेलन की संयोजकता योगेश चौहान ने की।

**राष्ट्रीय स्वरूप हिंदी दैनिक समाचार**

## पूर्व मंत्री भगवती सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन

बी के टी लखनऊ। राजधानी के बक्शी का तालाब में बाबू भगवती सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन उनके द्वारा स्थापित चंद्रभानु गुप्त कृषि



महाविद्यालय बक्शी का तालाब में किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष बलवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि बाबू भगवती सिंह का क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान रहा है बाबू भगवती सिंह समाजवादी विचारधारा के आधार स्तंभ थे उनके सरल एवं सौम्य व्यक्तित्व ने ही उन्हें जनमानस का लोकप्रिय नेता बनाया था उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन में निजी स्वार्थ से परे हटकर सामाजिक कार्यों को महत्व दिया बाबूजी एक अच्छे राजनीति के साथ एक अच्छे चिंतक व विचारक थे उनका त्याग पूर्ण जीवन आगे आने वाली पीढ़ी के लिए सदैव उदाहरण रहेगा। उनकी पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है इस अवसर पर अयोध्या से अशोक टाटंमबनरी व नरेंद्र सिंह अकेला, प्रयागराज से आभा मधुर, पश्चिम बंगाल से पवन वांके, रायबरेली से मधुर श्रीवास्तव 'नरकंकाल', उत्तराखंड से जयंत शाह, लखनऊ से आशीष आनंद तथा संध्या त्रिपाठी ने अपनी कविताओं के माध्यम से बाबू भगवती सिंह को याद किया। चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उनके जीवन पर डी एम महाराज द्वारा बनाई गयी डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई।

# श्रद्धेय भगवती सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन आज बीकेटी के चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में आयोजित होगा आज कार्यक्रम

स्वरूप,बीकेटी । आज चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय बीकेटी में शाम 6 बजे से बाबू भगवती सिंह फैस क्लब व मां चंद्रिका देवी मेला विकास समिति कठवारा के द्वारा विकास पुरुष श्रद्धेय बाबू भगवती सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।आयोजन समिति के अध्यक्ष बलवीर सिंह राठौर ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि श्रद्धेय बाबू भगवती सिंह का क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान रहा है, उनके कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में अयोध्या से अशोक टाटंमबनरी,नरेंद्र सिंह अकेला,प्रयागराज से आभा मधुर, पश्चिम बंगाल से पवन वांके,रायबरेली से मधुर श्रीवास्तव %नरकंकाल%,उत्तराखंड से जयंत शाह,लखनऊ से आशीष आनंद व संध्या त्रिपाठी अपनी कविताओं के माध्यम से बाबू भगवती सिंह को याद करेंगे।चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आज शाम 6 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा तथा मंगलवार को महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा भजन एवं कीर्तन भी आयोजित किया जाएगा।

---

## गांव से लेकर शहर तक याद किए गए बाबू भगवती सिंह चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय बनेगा विश्वविद्यालय: प्रो योगेश

बीए न्यूज अनुज राजपूत

बख्शी का तालाब । पूर्व मंत्री श्रद्धेय भगवती सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर उनके द्वारा स्थापित चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रदेश के कई जिलों से आए हुए बाबूजी के अनुयायियों द्वारा श्रद्धेय भगवती सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में दीप प्रज्वलित कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। महाविद्यालय के मीडिया प्रमोटीवर्स डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि श्रद्धेय भगवती सिंह जी की द्वितीय पुण्यतिथि पर बख्शी का तालाब इंटर कॉलेज में हवन पूजन तथा महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। श्रद्धेय भगवती सिंह के गांव अर्जुनपुर निवासी यशपाल प्रधान ने बताया कि बाबूजी का गांव से बहुत अच्छा नाता था उन्होंने कहा कि आज बाबूजी को हम लोगों ने उनकी प्रतिमा के सामने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. फिदा हुसैन अंसारी, प्रबंधक तेज प्रकाश सिंह निदेशक प्रो योगेश कुमार शर्मा सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों ने मंत्री जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। महाविद्यालय के निदेशक प्रो योगेश कुमार शर्मा ने बताया कि श्रद्धेय भगवती सिंह चंद्र भानु गुप्त कृषि महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाना चाहते थे उनकी मंशा थी कि शीघ्र ही इसे विश्वविद्यालय बनाया जाए। प्रो शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय बनाने पर कार्य चल रहा है शीघ्र ही इस महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य ने बाबूजी के जीवन पर चर्चा की। लखनऊ स्थित दृष्टि संस्थान में मूक बधिर बच्चों को भोजन भी महाविद्यालय द्वारा कराया गया।



## स्व. भगवती सिंह का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता

संसू बख्शी का तालाब : समाजवादी नेता स्व. भगवती सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन हुआ।

बीकेटी में चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय परिसर में इस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन भगवती सिंह फैंस क्लब और चंद्रिका देवी मेला विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी बलबीर सिंह राठौर ने कहा कि बख्शी का तालाब को विकास के शिखर तक ले जाने और पहचान दिलाने वाले ऐसे समाजवादी नेता के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इससे पहले क्षेत्र के विधायक योगेश शुक्ला, एमएलसी पवन सिंह चौहान, निवर्तमान नप अध्यक्ष अरुण सिंह गप्पू, ह्यदेश कुमार सिंह गुड्डू, महाविद्यालय के अध्यक्ष फिदा हुसैन अंसारी, अजय सिंह भदौरिया, महाविद्यालय के

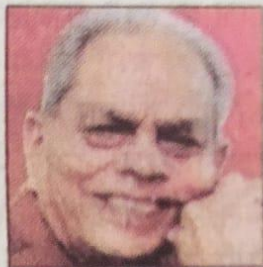


स्व. भगवती सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते विधायक योगेश शुक्ला • जागरण प्रबंधक टीपी सिंह, मीडिया प्रभारी डा सतेंद्र सिंह द्वारा पुष्प अर्पित कर भगवती सिंह को याद किया। कवि सम्मेलन में अशोक टाटंबरी, नरेंद्र सिंह अकेला, आभा मधुर, पवन वांके, मधुर श्रीवास्तव, जयंत शाह, आशीष आनंद तथा संध्या त्रिपाठी ने कविताएं प्रस्तुत कीं।

# बाबू भगवती सिंह को दी श्रद्धांजलि

समें  
रहा  
गव

**बख्शी का तालाब।** बाबू भगवती सिंह फैस क्लब, मां चंद्रिका देवी मेला विकास समिति कठवारा की ओर से बाबू भगवती सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि की पूर्व संध्या



पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय में किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष बलवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि बाबू भगवती सिंह समाजवादी विचारधारा के आधार स्तंभ थे। कवि सम्मेलन में अयोध्या से अशोक व नरेंद्र सिंह अकेला, प्रयागराज से आभा मधुर, पश्चिम बंगाल से पवन वांके, रायबरेली से मधुर

श्रीवास्तव 'नरकंकाल', उत्तराखंड से जयंत शाह, लखनऊ से आशीष आनंद तथा संध्या त्रिपाठी ने कविताओं के माध्यम से बाबू भगवती सिंह को याद किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र यादव, सीतापुर विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, चेयरमैन बख्शी का तालाब अरुण कुमार सिंह गप्पू, महाविद्यालय के अध्यक्ष फिदा हुसैन अंसारी प्रबंधक तेज प्रकाश सिंह, मौजूद रहे। (संवाद)

स  
ाम

## श्रद्धेय भगवती सिंह क्षण भर के लिए होते थे नाराज: डॉ सत्येंद्र

पुत्र को आत्मज संवाददाता

लखनऊ। बख्शी का तालाब के बख्शी-नाथ पूरे परिवार का बड़ा नाम अंतर्गत में समर्थित के रूप में जाने वाले लता पूरा प्यार में अपनी मायका रखने वाले बड़ेज बाबू भगवती सिंह का 90 वां जन्मदिन मनाया जा रहा है। यह पानु पुत्र कृषि महाविद्यालय के कृषि छात्र के रूप में है जो 1996 में बीएससी कृषि में प्रवेश लेकर वर्ष 2000 तक अपने विद्यालय में बालक कृषि की शिक्षा पूर्ण की, स्वयं श्रु अग्रिम वर्ष का पीछा सीएम सीएस हुआ जो समाज कार्यशास्त्र बनाने विधिशास्त्र में संचालक हुआ कराइ जा, जैसा ही पीछा सीएम विद्यालय छोड़े निम्न विकास चौरी छात्र के विकास अध्यापक की अवधि बकर सिंह ने इसे सुनकर टी कि अपने माता बख्शीशरणों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है ही एक किसान का नेता श्रु और कम संसाधन के



कारण बहान नहीं यह सदा इन्हीं बख्शीशरण में हमने पढ़ाई की और जब यह सुन तो पूरा परिवार खुशी से मरकर हो गया बाबूजी ने सुनकर और कहा कि अपने हमारे विद्यालय का नाम रोजन किया है पीठ को बगलपर और कहा कि गोरख और

उत्कृष्ट यात पाठ सुनकर के 8-10 घंटे बने हुए था। यही बगल बाबूजी स्वयं विकली और कहने लगे कि पाठपर साधन इतनी सुनकर अब यह अब यह सब खरिगत है हमने कहा जो बाबू स्वयं लेक है एक दिन पाले बाबूजी हमने ज्ञान गाना हुए में बाबूजी 2 पेट के बाद ही भूल गए कि हम किसी के ऊपर गाना हुए में हमने बात बगलपर कि बाबू जी ऐसा प्रकरण या सुन हुए और उन्होंने कहा कि जानने गोरख में अपना कार्य करो आपके रोज के ही विकास अकेला बंधक शिक्षा जो कि अज्ञा रोज में सिखाई करने ही थे यह पाठपर लेकत सिखाई भी करते लगने थे यदि कनिष्ठ का सुनकर सदान हो तो कनिष्ठ का सुनकर भी जदने के लिए कहा किट पान लेते थे इस बर्तमान में कोई सैद्धिक बाल करार हो तो यह सैद्धिक कार्य भी करने में यह अवधि गण के विद्यार्थी में अपनी

विद्यार्थक पर चले। उस दिन में हमने बाबूजी को संस्था और बाबू जी के छात्र बगल पर करने पर चलने लग। जिस बाबूजी का देहांत हुआ का दिन हमारी समीप चले भूलकर सुनकर हुए जो मैं खोजाए एक कृषि पाठों में जा रहा था बाबू जी ने कहा बहुत सुनकर कहा अब यह हम ने कहा बाबूजी एक पीछे में जदने में बाबू जी अपने ज्ञानकाल में चले गए थे यह से विद्यालय से निकला ही यह जब तक गोरख का पाने ज्ञान है कि बाबू जी नहीं रहे हमारे पैर खरिगत पर यह हम सोचने ही रहे और पुनः प्रथम ज्ञान यह दिन जब ज्ञान हम कभी भूल नहीं सकते है बाबूजी जहां थे ही वह ज्ञान है और इन क्षणों के बीच में ही ऐसा हम बख्शीशरणों और ही आम के दिन हम जदने पान करते हैं और देखे विद्यार्थी को हम भगवती से प्रार्थना करते हैं कि जन्मक नाम बहान-बहान बख्शी पर हम प्रभुवर के कार्य करने के लिए हो ऐसे में बाबू भगवती सिंह।

सुखे ७

बाबू।  
बंगलूर।  
कृषि  
के अव  
असत  
कृषि  
गएपी  
400।  
भारत  
सुखे।  
कृषि  
विधान  
में यह  
तदं पुत्र  
सुखे।  
अज्ञान  
साधक  
32/0।  
तक वि  
दिन।  
साधक  
सोचने  
नासक।  
सुखे।